पाठ-1

नन्हा-मुन्ना राही हूँ

नन्हा मुन्ना राही हूँ देश का सिपाही हूँ,
बोलो मेरे संग जय हिंद..... जय हिंद.....
रास्ते पे चलूँगा न डर-डर के
चाहे मुझे जीना पड़े मर-मर के
मंजिल से पहले न लूँगा कहीं दम
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम
दाहिने बाएँ-दाहिने बाएँ, थम।
नन्हा मुन्ना राही हूँ.....

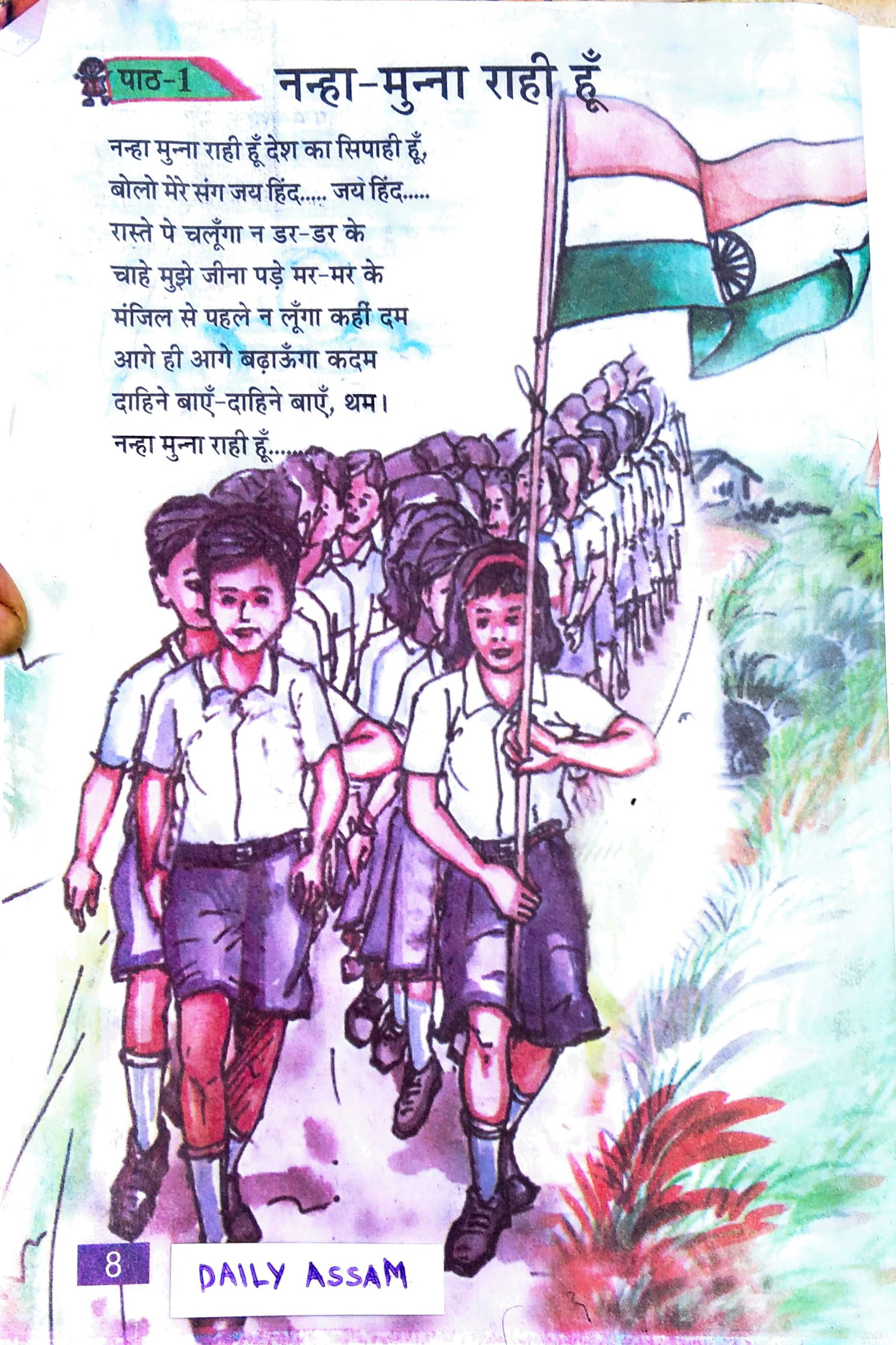

DAILY ASSAM

DAILY ASSAM

धूप में पसीना बहाऊँगा जहाँ
हरे-भरे खेत लहराएँगे वहाँ
धरती पे पापी न पाएँगे जनम
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम
दाहिने बाएँ-दाहिने बाएँ थम।
नन्हा-मुन्ना राही हूँ.....

नया है जमाना मेरी नई है डगर
देश को बनाऊँगा मशीनों का नगर
भारत किसी से रहेगा नहीं कम
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम
दाहिने बाएँ-दाहिने बाएँ थम।
नन्हा-मुन्ना राही हूँ....

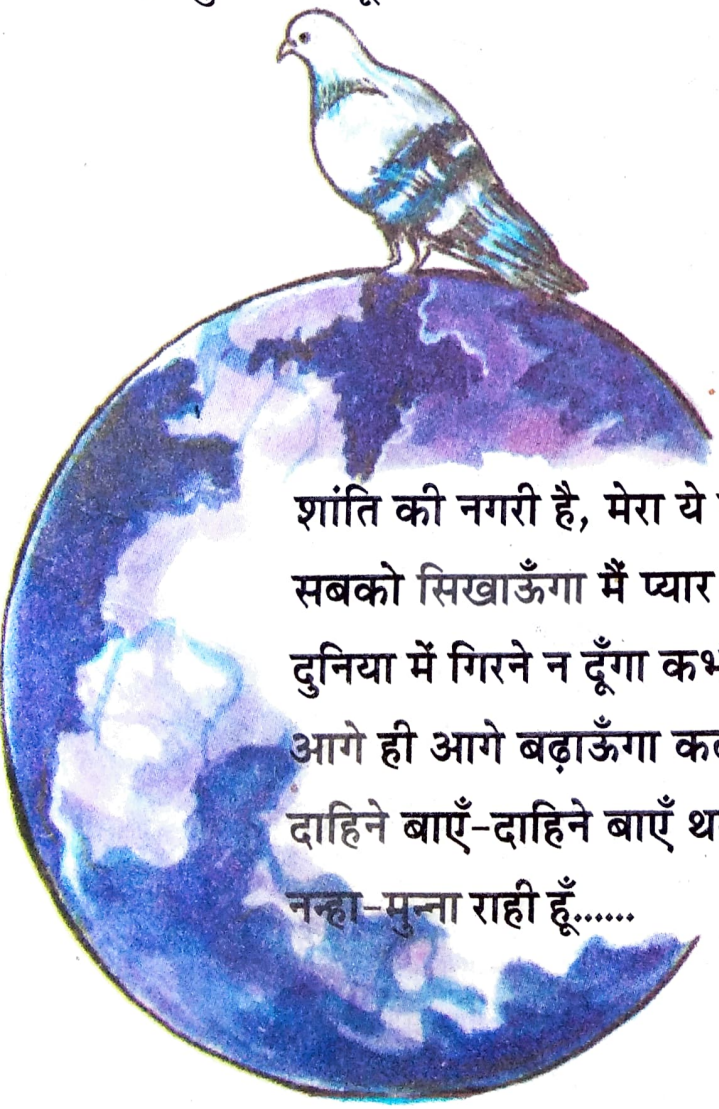

बड़ा होके देश का सहारा बनूँगा
दुनिया की आँखों का तारा बनूँगा
रखूँगा ऊँचा तिरंगा परचम
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम
दाहिने बाएँ-दाहिने बाएँ थम।
नन्हा-मुन्ना राही हूँ....

शांति की नगरी है, मेरा ये वतन
सबको सिखाऊँगा मैं प्यार का चलन
दुनिया में गिरने न दूँगा कभी बम
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम
दाहिने बाएँ-दाहिने बाएँ थम।
नन्हा-मुन्ना राही हूँ.....

फिल्म - सन ऑफ इंडिया
संगीतकार - नौशाद अली
गीतकार - शकील बदायूनी
गायिका - शांति माथुर

DAILY ASSAM

अभ्यास-माला

पाठ से

1. 'नन्हा मुन्ना राही हूँ' एक देशप्रेममूलक गीत है।
   प्रस्तुत गीत को लय के साथ कक्षा में गाओ।

2. इस गीत को तुम किस माहौल में गुनगुना सकते हो? बताओ।

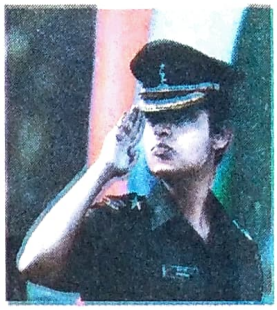

3. उत्तर लिखो :

   (क) कविता में उल्लिखित देश का सिपाही कौन है?

   (ख) अपना देश भारत कैसे किसी से कम नहीं है?

   (ग) "देश को बनाऊँगा मशीनों का नगर।" अपने देश को मशीनों का नगर बनाने का संकल्प क्यों लिया गया है?

   (घ) भारत के अलावा हमारे देश को और किन-किन नामों से जाना जाता है?

   (ङ) अपना तिरंगा ऊँचा रखने के लिए क्या करना जरूरी है?

   (च) तुम्हारी मंजिल क्या है? तुम कैसे उस मंजिल तक पहुँचोगे?

   (छ) हरे-भरे खेत भारत के किन प्रांतों में मिलते हैं, लिखो।

पाठ के आस-पास

1. नीचे कुछ मशीनों के चित्र हैं। उन मशीनों के नाम और कहाँ इनका प्रयोग होता है, लिखो।

क

ख

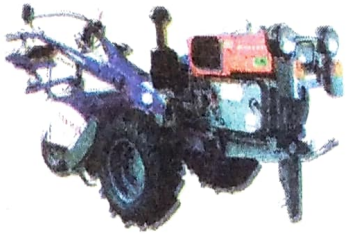

ग

2. हमारे देश ने कृषि, उद्योग, तकनीकी समेत सभी क्षेत्रों में विकास किया है। तुम अपने सहपाठियों के साथ मिलकर कृषि व तकनीकी क्षेत्रों में देश की कामयाबी पर चर्चा करो।

DAILY ASSAM

3. प्रस्तुत गीत में भारतवर्ष को शांति की नगरी कहा गया है। नीचे हमारे देश के कुछ शांतिदूतों के चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों को पहचानो एवं उनके बारे में पास ही दिए गए स्थानों में लिखो :

.....

.....

.....

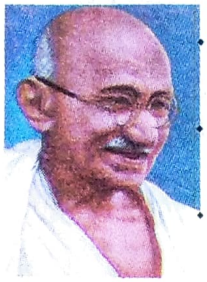

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भाषा-अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्द के स्वर और व्यंजन अलग-अलग करके लिखे गए हैं-

बढ़ाऊँगा = ब् + अ + ढ़् + आ + ऊँ + ग् + आ। इसे वर्ण-विच्छेद कहते हैं।

अब निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद करो :

मंजिल – लहराएँगे –

परचम – दुनिया –

2. आओ, शब्दों के शुद्ध रूप लिखें :

अशुद्ध	शुद्ध
पियार	प्यार
वनुगा	
दूनीया	
मशिनी	

अशुद्ध	शुद्ध
चलुँगा	
पायंगे	
पापि	
गीरने	

योग्यता-विस्तार

1. स्वर और व्यंजन वर्णों को छाँट कर निर्धारित जगहों में लिखो :

स्वर वर्ण

.....

.....

.....

.....

क	अ	इ	ग	उ
ई	आ	ख	ऊ	घ
ङ	न	म	प	ल
छ	ऐ	ज	ओ	ए

व्यंजन वर्ण

.....

.....

.....

.....

2. क्रम से संख्याएँ भरकर नीचे के खाली चौखटों को पूरा करो :

१				५	६				१०
	१२		१४			१७		१९	
		२३					२८		
	३२		३४			३७		३९	
४१				४५	४६				५०

3. तुमलोग ऐसे ही और देशप्रेममूलक गीत इकट्ठे करो और गाने की कोशिश करो।

आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
आँखों का तारा	=	बहुत प्यारा	परचम	=	झंडा
चलन	=	नियम, रिवाज	लहराएँगे	=	हवा के झोंकों
नन्हा	=	छोटा-सा		=	से हिलेंगे
मंजिल	=	लक्ष्य	डगर	=	मार्ग, राह, रास्ता
पसीना	=	गर्मी में जो पानी शरीर से निकलता है	थम	=	ठहरना, रुक जाना

DAILY ASSAM